



ग्रामाभ्युदयादेव देशाभ्युदयः  
गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय  
कृषि मौसम विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय  
पन्तनगर-263145 उधम सिंह नगर (उत्तराखण्ड)  
फोन नम्बर: 05944-233032



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा बुलेटिन, जनपद – नैनीताल

उपमहानिदेशक (कृषि मौसम विज्ञान), भारत मौसम विज्ञान विभाग, पुणे

निदेशक, मौसम केन्द्र, देहरादून

वर्ष: 28 अंक: 12 बुलेटिन अवधि: 9-13 फरवरी, 2019 दिन: शुक्रवार दिनांक: 08 फरवरी, 2019

**मौसम पूर्वानुमान:**

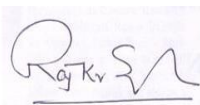
भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा संचालित ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना के अन्तर्गत राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र, भारत मौसम विज्ञान विभाग, मौसम भवन, नई दिल्ली द्वारा पूर्वानुमानित तथा मौसम केन्द्र, देहरादून द्वारा संसोधित पूर्वानुमानित मध्यम अवधि मौसम आँकड़ों के आधार पर कृषि मौसम विज्ञान विभाग में स्थित कृषि मौसम विज्ञान प्रक्षेत्र इकाई (AMFU), गो0 ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पन्तनगर द्वारा नैनीताल जिले के पर्वतीय क्षेत्रों में अगले पाँच दिनों में निम्न मौसम रहने की संभावना व्यक्त की जाती है :-

पूर्वानुमानित मौसम तत्व	मौसम पूर्वानुमान – नैनीताल				
	09/02/2019	10/02/2019	11/02/2019	12/02/2019	13/02/2019
वर्षा (मिमी0)	2	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (डिग्री से.ग्रे.)	10	12	13	15	17
न्यूनतम तापमान (डिग्री से.ग्रे.)	1	1	3	4	5
बादल आच्छादन	मध्यम बादल	साफ	साफ	आंशिक बादल	मध्यम बादल
अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता (प्रतिशत)	85	80	80	80	80
न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता (प्रतिशत)	45	40	40	40	40
वायु की औसत गति (कि0मी0 प्रतिघंटा)	006	008	006	006	006
वायु की दिशा	पूर्व-दक्षिण-पूर्व	उत्तर-पश्चिम	उत्तर-पश्चिम	उत्तर-पश्चिम	उत्तर-पूर्व

भारत मौसम विज्ञान विभाग के नैनीताल स्थित मौसम विज्ञान वेधशाला (समुद्रतल से ऊँचाई-2084 मीटर) के प्रेक्षणानुसार विगत सात दिनों (1 -7 फरवरी 2019) में आसमान साफ रहने के साथ कहीं-कहीं आंशिक से घने बादल छाये रहे तथा अधिकतम तापमान 4.6 से 9.0 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान -0.7 से 2.8 डि0से0 के बीच रहा। ऐसे अनुमानित मौसम में गो0ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पन्तनगर के वैज्ञानिकों द्वारा इस क्षेत्र के कृषक भाइयों को सलाह दी जाती है कि इस मौसम में विभिन्न फसलों के लिए खेतों में निम्नानुसार कार्यक्रम अपनायें।

## कृषि मौसम परामर्श

<u>फसल</u>	<u>अवस्था</u>	<u>कृषि मौसम सलाह समिति द्वारा किसानों हेतु कृषि सलाह</u>
गेहूं, जौ	बूटिंग	पिछले कुछ दिनों में वर्षा को ध्यान में रखते हुए किसान भईयों को सलाह दी जाती है कि आगामी कुछ दिनों तक फसलों में सिंचाई व उर्वरकों का छिड़काव न करें।
गन्ना	—	पेड़ी गन्ना प्राप्त करने हेतु नौलख फसल की कटाई 15 फरवरी से पहले शुरू न करें। नई फसल की बुवाई मौसम को ध्यान में रखकर करें।
प्याज, लहसून	वानस्पतिक बढ़वार	प्याज और लहसुन की पत्तियाँ उपर से पीली पड़ने पर प्रोपीकोनाजोल या टेबूकोनाजोल का 1 मिली0 प्रति ली0 पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
आलू	खेत की तैयारी	आलू की बुवाई हेतु खेत की तैयारी कर अन्तिम सप्ताह में कुफरी ज्योति किस्म की बुवाई करें। साथ ही 4-5 कुन्तल गोबर की खाद के साथ 2.5 कि0ग्रा0 डी0ए0पी0 तथा 2 कि0ग्रा0 पोटाश उर्वरक प्रयोग करें।
टमाटर, शिमलामिर्च, बैंगन आदि	—	पॉलीहाउस में इन सब्जियों के प्रतिरोपण हेतु नर्सरी बेड तैयार कर अच्छी किस्म के बीजों की तैयारी करें।
सेब, नाशपाती, अखरोट, खुबानी आदि	बुवाई	पूर्व में आरक्षित किये शीतोष्ण फल वृक्षों जैसे सेब, नाशपाती, खुबानी, अखरोट आदि फल वृक्षों को लगाने का कार्य प्रारम्भ करें।
पशुपालन	—	सरदी से बचाव के लिए पशुघर का प्रबंध ठीक से करें। पशुओं को ठंड से बचाव हेतु सूखी घास, पुवाल जो जानवरों के खाने के उपयोग में नहीं आती को बिछावन के रूप में प्रयोग करें। खिड़की दरवाजों पर त्रिपाल लगा दें ताकि ठंडी हवा प्रवेश न करें।
मुर्गी पालन	—	मुर्गियों के आवास के तापमान का अनुरक्षण करें। सरद ऋतु में बिछावन की मोटाई बढ़ा दे जिससे कुक्कुट को पर्याप्त गर्मी मिलती रहे।



**डा० आर० के० सिंह**  
**प्राध्यापक एवं प्रिंसिपल नोडल अधिकारी**  
**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा,**  
**गो.ब. पन्त कृषि एवं प्रौद्यो. विश्वविद्यालय, पन्तनगर**